



सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, सोमवार, 20 मार्च, 2023

फाल्गुन 29, 1944 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

राज्य कर अनुभाग-2

संख्या 04 / ग्यारह-2-23-9(42)-17-टी०सी० 65-उ०प्र० जी०एस०टी० नियम-2017-आदेश(267)-2023

लखनऊ, 20 मार्च, 2023

अधिसूचना

प०आ०-91

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, परिषद् की सिफारिशों पर, एतद्वारा उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली, 2017 का अग्रतर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाती हैं, अर्थात् :-

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (उनसठवाँ संशोधन) नियमावली, 2023

1-(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (उनसठवाँ संशोधन) संक्षिप्त नाम और नियमावली, 2023 कही जायेगी। प्रारम्भ

(2) इस नियमावली में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, यह तारीख 26 दिसम्बर, 2022 से प्रवृत्त हुई समझी जायेगी :

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना के नियम 2 के खण्ड (iv) एवं (v) के उपबन्ध उस तारीख से प्रवृत्त होंगे जैसा कि इस सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाये।

नियम 8 का
संशोधन

2-उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली, 2017 के नियम 8 में, -

(i) उपनियम (1) में, शब्द और अक्षर "मोबाइल नम्बर, ई-मेल पता," निकाल दिये जायेंगे;

(ii) उपनियम (2) में, खण्ड (क) में, शब्द "प्रत्यक्ष कर" के पश्चात् शब्द "और स्थायी लेखा संख्या से जुड़े मोबाइल नम्बर और ई-मेल पते पर भेजे गए पृथक् वन-टाइम पासवर्ड के माध्यम से भी सत्यापित किया जाएगा" बढ़ा दिये जायेंगे;

(iii) उपनियम (2) में, खण्ड (ख) और (ग) को निकाल दिया जाएगा;

(iv) उपनियम (4क) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रख दिया जाएगा, अर्थात् :-

“(4क) धारा 25 की उपधारा (6घ) के अधीन अधिसूचित व्यक्ति से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा उपनियम (4) के अधीन किये गये प्रत्येक आवेदन के पश्चात् जिसने आधार संख्या के अधिप्रमाणन का विकल्प चुना है और जो सामान्य पोर्टल पर, डेटा विश्लेषण और जोखिम मापदण्डों के आधार पर, पहचाना जाता है, बायोमेट्रिक-आधारित आधार अधिप्रमाणन किया जाएगा और आवेदक की फोटो ली जाएगी, जहाँ आवेदक एक व्यक्ति है या जहाँ आवेदक एक व्यक्ति नहीं है, आवेदक के सम्बन्ध में ऐसे व्यक्तियों की जो धारा 25 की उपधारा (6ग) के अधीन अधिसूचित है, इस उपनियम के प्रयोजन के लिए आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्रों में से एक पर प्ररूप जीएसटी आरइजी-01 में आवेदन के साथ अपलोड किए गए दस्तावेजों की मूल प्रति के सत्यापन के साथ, और इस उपनियम के अधीन निर्धारित प्रक्रिया पूरा होने के पश्चात् ही आवेदन को पूर्ण समझा जाएगा।”;

(v) उपनियम (5) में, शब्द, कोष्ठक और अंक “उपनियम (4)” के पश्चात्, शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर “या उपनियम (4क)” रख दिये जाएंगे।

नियम 9 का
संशोधन

3-उक्त नियमावली के नियम 9 में,-

(i) उपनियम (1) में, परन्तुक में, खण्ड (क) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

“(कक) ऐसा व्यक्ति, जो नियम 8 के उपनियम (4क) में यथाविनिर्दिष्ट आधार संख्या के अधिप्रमाणन प्रक्रिया से गुजरा है, उसके कारबार के स्थानों का वास्तविक सत्यापन करने के लिए आंकड़ा विश्लेषण और जोखिम मापदण्डों के आधार पर, सामान्य पोर्टल पर पहचाना जाता है; या”;

(ii) उपनियम (2) में, परन्तुक में, खण्ड (क) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

“(कक) ऐसा व्यक्ति, जो नियम 8 के उपनियम (4क) में यथाविनिर्दिष्ट आधार संख्या के अधिप्रमाणन प्रक्रिया से गुजरा है, उसके कारबार के स्थानों का वास्तविक सत्यापन करने के लिए आंकड़ा विश्लेषण और जोखिम मापदण्डों के आधार पर, सामान्य पोर्टल पर पहचाना जाता है; या”।

नियम 12 का
संशोधन

4-उक्त नियमावली में, नियम 12 में, उपनियम (3) में, शब्द “जहां” के पश्चात् शब्द, कोष्ठक और अंक “किसी व्यक्ति द्वारा लिखित रूप में किए गए अनुरोध पर जिसे उपनियम (2) के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रदान किया गया है या” रख दिये जाएंगे;

5- 1 अक्टूबर, 2022 से उक्त नियमावली के नियम 37 में उपनियम (1) में,—

नियम 37 का
संशोधन

(i) शब्द “ऐसी पूर्ति के मूल्य का” के पश्चात्, शब्द “चाहे पूर्णतः या अंशतः” बढ़ा दिये जाएंगे;

(ii) शब्द “भुगतान करेगा” के पश्चात्, “या उत्क्रम” शब्द रख दिये जायेंगे;

(iii) शब्द “ऐसी पूर्ति के सम्बन्ध में” के पश्चात्, अक्षर और शब्द “पूर्तिकर्ता को संदत न की गई धनराशि के अनुपात में” रख दिये जाएंगे।

6—उक्त नियमावली में नियम 37 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

नियम 37 का
संशोधन

“37क—पूर्तिकर्ता द्वारा कर अंशदाय की दशा में इनपुट कर प्रत्यय की वापसी और उसका पुनः उपभोग—जहाँ एक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा कर अवधि के लिए प्ररूप जीएसटीआर—3ख में विवरणी में इनपुट कर प्रत्यय का लाभ उठाया गया हो, ऐसे बीजक या डेबिट नोट के सम्बन्ध में, जिसका विवरण पूर्तिकर्ता द्वारा प्ररूप जीएसटीआर—1 में या बीजक प्रस्तुत करने की सुविधा का उपयोग करते हुए जावक पूर्ति के विवरण में प्रस्तुत किया गया हो, किन्तु वित्तीय वर्ष के अन्त के पश्चात् 30 सितम्बर तक ऐसे पूर्तिकर्ता द्वारा उक्त कर अवधि के जावक पूर्ति के विवरण के अनुरूप प्ररूप जीएसटीआर—3ख में विवरणी प्रस्तुत न किया गया हो, जिसमें ऐसे बीजक या डेबिट नोट के सम्बन्ध में इनपुट कर प्रत्यय का लाभ उठाया गया हो, उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा इनपुट कर प्रत्यय की कथित धनराशि को, ऐसे वित्तीय वर्ष के अन्त के पश्चात् 30 नम्बर या उससे पहले प्ररूप जीएसटीआर—3ख में रिटर्न दाखिल करते समय, वापस किया जाएगा:

परन्तु यह कि जहाँ इनपुट कर प्रत्यय की उक्त धनराशि रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा प्ररूप जीएसटीआर—3ख में विवरणी में 30 नवम्बर को या उससे पहले ऐसे वित्तीय वर्ष के अन्त के पश्चात् वापस न की जाती हो, जिसके दौरान इस तरह के इनपुट कर प्रत्यय का लाभ उठाया गया हो, ऐसी धनराशि उक्त व्यक्ति द्वारा धारा 50 के अधीन उस पर ब्याज सहित संदेय होगी :

परन्तु यह और कि जहाँ उक्त पूर्तिकर्ता, बाद में, उक्त कर अवधि के लिए प्ररूप जीएसटीआर—3ख में विवरणी प्रस्तुत करता है, उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति उसके पश्चात् की कर अवधि के लिए प्रस्तुत प्ररूप जीएसटीआर—3ख विवरणी में इस तरह के प्रत्यय की धनराशि का पुनः उपभोग कर सकता है।”

7—उक्त नियमावली में नियम 46 के खण्ड (च) में निम्नलिखित परन्तुक बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

नियम 46 का
संशोधन

“परन्तु यह कि जहाँ कोई कर योग्य सेवा किसी इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स ऑपरेटर द्वारा या उसके माध्यम से या ऑनलाइन सूचना और डेटाबेस एक्सेस या पुनर्प्राप्ति सेवाओं के पूर्तिकर्ता द्वारा एक प्राप्तिकर्ता को पूर्ति की जाती है, जो अरजिस्ट्रीकृत है, ऐसी पूर्ति के मूल्य के बावजूद, एक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा जारी किये गये कर बीजक में प्राप्तिकर्ता का नाम और पता के साथ उसका पिन कोड और राज्य के नाम अन्तर्विष्ट करना होगा और उक्त पते को प्राप्तिकर्ता के रिकॉर्ड पर पता समझा जाएगा।”

8—उक्त नियमावली में, नियम 46क में, निम्नलिखित परन्तुक बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

नियम 46क का
संशोधन

“परन्तु उक्त एकल “पूर्ति का बीजक—सह—बिल” में यथास्थिति नियम 46 या नियम 54 और नियम 49 के अधीन यथाविनिर्दिष्ट विशिष्टियाँ अन्तर्विष्ट होंगी”;

नियम 59 का
संशोधन

9—उक्त नियमावली में, नियम 59 में उपनियम (6) के खण्ड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

“(घ) एक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसे कर अवधि के सम्बन्ध में नियम 88ग के उपनियम (1) के उपबन्धों के अधीन सामान्य पोर्टल पर एक सूचना जारी की गई है, को धारा 37 के अधीन माल या सेवाओं या दोनों के जावक पूर्ति के ब्यौरे, पश्चात्पूर्ति कर अवधि के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 में या बीजक प्रस्तुत करने की सुविधा का उपयोग करते हुए प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं दी जाएगी या, जब तक कि उसने या तो उक्त सूचना में विनिर्दिष्ट धनराशि जमा न की हो या किसी असंदत्त धनराशि के कारणों को स्पष्ट करते हुए प्रत्युत्तर प्रस्तुत न किया हो जो नियम 88ग के उपनियम (2) के उपबन्धों के अधीन यथा अपेक्षित है।”

नियम 87 का
संशोधन

10—उक्त नियमावली के नियम 87 के उपनियम (8) में निम्नलिखित परन्तुक बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

“परन्तु जहाँ बैंक सामान्य पोर्टल पर चालान पहचान संख्या के विवरण को संप्रेषित करने में विफल रहता है, इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर को उन मामलों में भारतीय रिजर्व बैंक के ई-स्कॉल के आधार पर अपडेट किया जा सकता है जहाँ उक्त ई-स्कॉल की कॉमन पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी पीएमटी-06 में उत्पन्न चालान के ब्यौरे के साथ अनुरूपता है।

नियम 88ख का
संशोधन

11—उक्त नियमावली में, नियम 88ख के पश्चात्, निम्नलिखित नियम बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

“88ग—जावक पूर्तियों के ब्यौरों और विवरणी में रिपोर्ट किए गए दायित्व में अन्तर के सम्बन्ध की रीति—जहाँ रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा संदेय कर, उक्त कर अवधि के सम्बन्ध में, प्ररूप जीएसटीआर-1 में या बीजक प्रस्तुत करने की सुविधा का उपयोग करते हुए में, उसके द्वारा प्रस्तुत किए गए जावक प्रदाय के ब्यौरों के अनुसार, प्ररूप जीएसटीआर-3ख में उसके द्वारा प्रस्तुत की गई उस अवधि के लिए विवरणी के अनुसार उक्त व्यक्ति द्वारा संदेय कर की धनराशि से अधिक है, ऐसी धनराशि या ऐसे प्रतिशत से, जो कि परिषद् द्वारा अनुशंसित किया जाए, उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से फॉर्म जीएसटी डीआरसी-01ख के भाग क में इस तरह के अन्तर के सम्बन्ध में सूचित किया जाएगा और उक्त अन्तर को उजागर करते हुए ऐसी सूचना की एक प्रति, रजिस्ट्रीकरण के समय प्रदान किए गए या समय-समय पर संशोधित किए गए, उसके ई-मेल पते पर भी भेजी जाएगी और उसे निदेशित किया जाएगा कि या तो,—

(क) प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से, धारा 50 के अधीन ब्याज के साथ, अन्तर कर देयता का संदाय करें, या

(ख) सामान्य पोर्टल पर संदेय कर में पूर्वोक्त अन्तर का सात दिनों की अवधि के भीतर स्पष्टीकरण करें,

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, उस उपनियम में निर्दिष्ट सूचना की प्राप्ति पर, या तो,—

(क) प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ख के भाग क में विनिर्दिष्ट अन्तर कर देयता की धनराशि का संदाय पूर्णतः या आंशिक रूप से, धारा 50 के अधीन ब्याज के साथ, फॉर्म जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से करें और उसके विवरण को सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-1ख के भाग ख में प्रस्तुत करें; या

(ख) सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01 ख के भाग ख में असंदत्त कर देयता के उस हिस्से के सम्बन्ध में कारणों को शामिल करते हुए, जो असंदत्त रह गया है, यदि कोई हो, एक प्रत्युत्तर प्रस्तुत करें,

उक्त उपनियम में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर।

(3) जहाँ उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट सूचना में निर्दिष्ट कोई भी राशि उस उपनियम में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर असंदत्त रहती है और जहाँ कोई स्पष्टीकरण या कारण रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा डिफॉल्ट रूप से प्रस्तुत नहीं किया जाता है या जहाँ स्पष्टीकरण या कारण ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत उचित अधिकारी द्वारा स्वीकार्य नहीं पाया जाता है, उक्त राशि धारा 79 के उपबन्धों के अनुसार वसूली योग्य होगी।”

12—उक्त नियमावली में, नियम 89 में, उपनियम (2) में,—

नियम 89 का संशोधन

(i) खण्ड (ट) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिये जाएंगे, अर्थात् :—

“(टक) एक विवरण जिसमें बीजकों का विवरण अन्तर्विष्ट है, अर्थात् संख्या, तारीख, मूल्य, संदत्त कर और संदाय का ब्यौरा, जिसके सम्बन्ध में धन वापसी का दावा किया जा रहा है, ऐसे बीजकों की प्रति, पूर्तिकर्ता को इस तरह के संदाय का प्रमाण, समझौते या रजिस्ट्रीकृत समझौते या अनुबन्ध की प्रति, जो भी लागू हो, सेवा की पूर्ति के लिए पूर्तिकर्ता के साथ दर्ज किया गया, पूर्तिकर्ता द्वारा सेवा की पूर्ति के लिए समझौते या करार को रद्द करने या समाप्त करने के लिए जारी किया गया पत्र, पूर्तिकर्ता से प्राप्त संदाय का विवरण, इस तरह के समझौते को रद्द करने या समाप्त करने के प्रमाण के साथ, किसी मामले में जहाँ किसी अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा धन वापसी का दावा किया जाता है जहाँ सेवा की आपूर्ति के लिए करार या संविदा को रद्द या समाप्त कर दिया गया है;

(टख) पूर्तिकर्ता द्वारा इस आशय से जारी किया गया कोई प्रमाण—पत्र कि उसने बीजक के सम्बन्ध में कर का संदाय किया है, जिस पर आवेदक द्वारा धन वापसी का दावा किया जा रहा है, कि उसने क्रेडिट नोट जारी करके इन बीजकों में अन्तर्विष्ट कर धनराशि को अपनी कर देयता के विरुद्ध समायोजित नहीं किया है, और यह भी, कि उसने इन बीजकों के सम्बन्ध में अन्तर्विष्ट कर की धनराशि की वापसी दावा नहीं किया है और न ही करेगा, ऐसे मामले में जहाँ किसी अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा धन वापसी का दावा किया जाता है जहाँ सेवा की पूर्ति के लिए करार या संविदा रद्द कर दी गई है या समाप्त कर दी गई है;”

(ii) खण्ड (ड) में, परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तुक यह और कि उन मामलों में जहाँ ऐसे अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा धन वापसी का दावा किया गया है जिसने कर भरना वहन किया हो, प्रमाण—पत्र प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित नहीं है।”

13—उक्त नियमावली के नियम 108 के उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :—

नियम 108 का संशोधन

“(3) जहाँ उस विनिश्चय या आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, को सामान्य पोर्टल पर अपलोड किया है, वहाँ एक अन्तिम अभिस्वीकृति, अपील संख्या दर्शित करते हुए, अपील प्राधिकारी या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा, प्ररूप जीएसटी एपीएल-02 में जारी की जाएगी और अनन्तिम अभिस्वीकृति जारी करने की तारीख को अपील फाइल करने की तारीख माना जाएगा :

परन्तु यह कि जहाँ उस विनिश्चय या आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, को सामान्य पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जाता है, वहाँ अपीलार्थी, प्ररूप जीएसटी एपीएल-01 फाइल करने की तारीख से सात दिनों की अवधि के भीतर उक्त विनिश्चय या आदेश की एक स्व-अनुप्रमाणित प्रति प्रस्तुत करेगा और एक अन्तिम अभिस्वीकृति, अपील संख्या दर्शित करते हुए, अपील प्राधिकारी या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा, प्ररूप जीएसटी एपीएल-02 में जारी की जाएगी, और अनन्तिम अभिस्वीकृति जारी करने की तारीख को अपील फाइल करने की तारीख माना जाएगा :

परन्तु जहाँ विनिश्चय या आदेश की उक्त स्व-अनुप्रमाणित प्रति प्ररूप जीएसटी एपीएल-01 फाइल करने की तारीख से सात दिनों की अवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं की जाती है, ऐसी प्रति जमा करने की तारीख को अपील फाइल करने की तारीख के रूप में माना जाएगा।”

नियम 109 का संशोधन

14—उक्त नियमावली के नियम 109 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

“109 अपील प्राधिकारी को आवेदन—(1) धारा 107 की उपधारा (2) के अधीन अपील प्राधिकारी को एक आवेदन प्ररूप जीएसटी एपीएल-03 में सुसंगत दस्तावेजों के साथ, या तो इलेक्ट्रॉनिक रूप से या अन्यथा जो आयुक्त द्वारा अधिसूचित किया जाए, फाइल की जाएगी और अपीलार्थी को तुरन्त एक अनन्तिम अभिस्वीकृति जारी की जाएगी।

(2) जहाँ उस विनिश्चय या आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, को सामान्य पोर्टल पर अपलोड किया है, वहाँ एक अन्तिम अभिस्वीकृति, अपील संख्या दर्शित करते हुए, अपील प्राधिकारी या उसके द्वारा इस सम्बन्ध में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा, प्ररूप जीएसटी एपीएल-02 में जारी की जाएगी और अनन्तिम अभिस्वीकृति जारी करने की तारीख को उपनियम (1) के अधीन अपील फाइल करने की तारीख के रूप में माना जाएगा :

परन्तु यह कि जहाँ उस विनिश्चय या आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, को सामान्य पोर्टल पर अपलोड नहीं किया है, वहाँ अपीलार्थी प्ररूप जीएसटी एपीएल-03 फाइल करने की तारीख से सात दिनों की अवधि के भीतर उक्त विनिश्चय या आदेश की एक स्व-अनुप्रमाणित प्रति प्रस्तुत करेगा और एक अन्तिम अभिस्वीकृति, अपील संख्या दर्शित करते हुए, अपील प्राधिकारी या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा प्ररूप जीएसटी एपीएल-02 में जारी की जाएगी, और अनन्तिम अभिस्वीकृति जारी करने की तारीख को अपील फाइल करने की तारीख माना जाएगा :

परन्तु यह और कि जहाँ उक्त विनिश्चय या आदेश की स्व-अनुप्रमाणित प्रति प्ररूप जीएसटी एपीएल-03 फाइल करने की तारीख से सात दिनों की अवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं की जाती है, ऐसी प्रति जमा करने की तारीख को अपील फाइल करने की तारीख के रूप में माना जाएगा।”

नियम 109ख का संशोधन

15—उक्त नियमावली में, नियम 109ख के पश्चात्, निम्नलिखित नियम बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

“109ग अपील वापस लेना—अपीलार्थी, धारा 107 की उपधारा (II) के अधीन कारण बताओ नोटिस जारी करने से पूर्व या उक्त उपधारा के अधीन आदेश जारी करने से पूर्व, जो भी पहले हो, प्ररूप जीएसटी एपीएल-01 या प्ररूप जीएसटी एपीएल-03 के सम्बन्ध में फाइल की गई किसी भी अपील को प्ररूप जीएसटी एपीएल-01/03W में एक आवेदन फाइल करके उक्त अपील को वापस ले सकेगा :

परन्तु यह कि जहाँ प्ररूप जीएसटी एपीएल-02 में अन्तिम अभिस्वीकृति जारी की गई है, वहाँ उक्त अपील की वापसी अपील प्राधिकारी के अनुमोदन के अधीन होगी और अपील को वापस लेने के लिए ऐसे आवेदन को फाइल करने के सात दिनों के भीतर अपील प्राधिकारी द्वारा आवेदन पर विनिश्चय किया जाएगा :

परन्तु यह और कि अपीलार्थी द्वारा ऐसी वापसी के अनुसरण में फाइल की गई कोई भी नई अपील धारा 107 की यथा स्थिति, उपधारा (1) या उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर फाइल की जाएगी।

16—उक्त नियमावली के नियम 138 में, उपनियम (14) में उपाबन्ध में, सारणी के स्तम्भ (2) में, क्रम संख्या 5, के समक्ष कोष्ठक, शब्द और अंक “(अध्याय 71)” के पश्चात्, शब्द कोष्ठक और अंक “नकली आभूषण (7117) के सिवाय” बढ़ा दिये जाएंगे। नियम 138 का संशोधन

17—उक्त नियमावली के नियम 161 में, शब्द “आदेश” के स्थान पर, शब्द “सूचना या नोटिस” रख दिये जायेंगे। नियम 161 का संशोधन

18—उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटी आरईजी-01 में,— प्ररूप जीएसटी आरईजी-01

(i) भाग-क में, टिप्पणी में, शब्द “आवेदन फाइल करने वाले प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता को अपना मोबाइल संख्या और ई-मेल पता देना होगा।”, के स्थान पर, शब्द “आवेदक के स्थायी लेखा संख्या से सहबद्ध ई-मेल आईडी और मोबाइल नम्बर आयकर डेटाबेस से स्वतः भरे जाएंगे।” रख दिये जाएंगे;

(ii) रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन जमा करने के अनुदेश में, पैरा 2 निकाल दिया जाएगा।

19—उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटी आरईजी-17 में, शब्द “योग्यता के आधार पर” के पश्चात्, निम्नलिखित शब्द बढ़ा दिये जायेंगे, अर्थात् :— प्ररूप जीएसटी आरईजी-17

“कृपया मामले के विशिष्ट विवरण के लिए संलग्न सहायक दस्तावेज (दस्तावेजों) को देखें।”;

20—उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटी आरईजी-19 के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररूप रख दिया जाएगा, अर्थात् :—

“ प्ररूप जीएसटी आरईजी-19

[नियम 22(3) देखें]

संदर्भ संख्या
सेवा में,
नाम
पता
जीएसटीआईएन/यूआईएन
आवेदन संदर्भ संख्या (एआरएन)

तारीख

तारीख

रजिस्ट्रीकरण रद्द करने का आदेश

यह तारीख ————— को जारी कारण बताओ नोटिस के संदर्भ में है

- चूँकि, कारण बताओं नोटिस का कोई प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है;

और, चूँकि, इस कार्यालय के पास उपलब्ध अभिलेख के आधार पर अधोहस्ताक्षरी की राय है कि आपका रजिस्ट्रीकरण निम्नलिखित कारण (कारणों) से रद्द किए जाने योग्य है; या

चूँकि, कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर <एआरएन नम्बर> तारीख द्वारा प्रस्तुत किया गया है;

और, चूँकि, कारण बताओं नोटिस के आपके प्रत्युत्तर की जाँच करने पर और इस कार्यालय के पास उपलब्ध अभिलेख के आधार पर अधोहस्ताक्षरी की राय है कि आपका रजिस्ट्रीकरण निम्नलिखित कारण (कारणों) से रद्द किए जाने योग्य है; या

- और, चूँकि, कारण बताओं नोटिस का कोई प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निर्धारित दिन पर, आप व्यक्तिगत रूप से या किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित नहीं हुए;

और, चूँकि, इस कार्यालय के पास उपलब्ध अभिलेख के आधार पर अधोहस्ताक्षरी की राय है कि आपका रजिस्ट्रीकरण निम्नलिखित कारणों से रद्द किए जाने योग्य है; या

और, चूँकि, कारण बताओ नोटिस का कोई प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है, किन्तु आप/आपके प्राधिकृत प्रतिनिधि ने व्यक्तिगत सुनवाई में भाग लिया और लिखित या मौखिक प्रस्तुति दी;

और, व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान और इस कार्यालय के पास उपलब्ध अभिलेख के आधार पर किए गए आपके लिखित या मौखिक प्रस्तुतीकरण की जाँच करने पर अधोहस्ताक्षरी की राय है कि आपका रजिस्ट्रीकरण निम्नलिखित कारणों से रद्द किए जाने योग्य है; या

और, चूँकि, कारण बताओ नोटिस का उत्तर <एआरएन नम्बर> तारीख ----- द्वारा प्रस्तुत किया गया है। किन्तु, आप या आपके प्राधिकृत प्रतिनिधि निर्धारित या विस्तारित तारीख पर व्यक्तिगत सुनवाई में सम्मिलित नहीं हुए;

और, चूँकि, कारण बताओ नोटिस के आपके प्रत्युत्तर की जाँच करने पर और इस कार्यालय के पास उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर अधोहस्ताक्षरी की राय है कि आपका रजिस्ट्रीकरण निम्नलिखित कारणों से रद्द किए जाने योग्य है; या

कारण बताओ नोटिस का उत्तर <एआरएन नम्बर> तारीख ----- द्वारा प्रस्तुत किया गया है और आप/आपके प्राधिकृत प्रतिनिधि ने व्यक्तिगत सुनवाई में भाग लिया, व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान एक लिखित/मौखिक प्रस्तुति दी;

और, अधोहस्ताक्षरी ने कारण बताओ नोटिस के आपके उत्तर के साथ-साथ व्यक्तिगत सुनवाई के समय की गयी प्रस्तुतियों की जाँच की है और उनकी राय है कि आपका रजिस्ट्रीकरण निम्नलिखित कारणों से रद्द किए जाने योग्य है :

(i)

(ii)

आपके रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने की प्रभावी तारीख <<दिन/मास/वर्ष>> है।

2—कृपया मामला विशिष्ट विवरण के लिए संलग्न सहायक दस्तावेज (दस्तावेजों) देखें।

3—यह दृष्टव्य है कि सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी भरने वाले किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को इस आदेश की तारीख से तीन मास के भीतर प्ररूप जीएसटीआर-10 में अन्तिम विवरणी प्रस्तुत करना आवश्यक है।

4—आपको अपनी सभी लम्बित विवरणी भरनी अपेक्षित है।

5—यह दृष्टव्य है कि रजिस्ट्रीकरण रद्द करने से इस अधिनियम के अधीन कर और अन्य देयों का देयता या रद्द करने की तारीख से पूर्व किसी अवधि के लिए इस अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन किसी दायित्व का निर्वहन करने की बाध्यता प्रभावित नहीं होगी चाहे ऐसे कर और अन्य देय रद्द करने की तारीख से पूर्व या पश्चात् अवधारित किए जाएं।

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर
(अधिकारी का नाम)
पद
अधिकारिता”।

21—उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटीआर-1 में,—

(क) बॉक्स में,—

(i) शब्द “वर्ष” के स्थान पर, शब्द “वित्तीय वर्ष” रख दिये जायेंगे;

(ii) शब्द “माह” के स्थान पर शब्द “कर अवधि” रख दिये जायेंगे;

(ख) सारणी-3 के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रख दी जाएगी, अर्थात् :-

“3	(क)	एआरएन	<ऑटो>
	(ख)	एआरएन की तारीख	<ऑटो>

(ग) सारणी 4क में, कोष्ठक, अक्षर और शब्द “(i) प्रतिवर्ती प्रभार से सम्बन्धी और (ii) ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से कृतिपूर्ति” के स्थान पर शब्द, कोष्ठक और अक्षर “प्रतिवर्ती प्रभार से सम्बन्धी (ई-वाणिज्य प्रचालक से सम्बन्धी टीसीएस के माध्यम से कृत पूर्ति सहित)” रख दिये जाएंगे;

(घ) सारणी 4ग और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियाँ निकाल दी जायेंगी;

(ङ) सारणी 5क में, अंक, अक्षर, शब्द और कोष्ठक “5क जावक पूर्तियाँ (ई-वाणिज्य प्रचालक दर वार के माध्यम से कृत पूर्तियों से भिन्न)” के स्थान पर, शब्द, कोष्ठक, अक्षर “जावक पूर्तियाँ (ई-वाणिज्य प्रचालक दर-वार के माध्यम से कृत पूर्तियों सहित)” रख दिये जाएंगे;

(च) सारणी 5ख और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियाँ निकाल दी जायेंगी;

(छ) सारणी 7 के स्थान पर, निम्नलिखित सारणी रख दी जाएगी, अर्थात् :-

कर की दर	कुल कराधेय मूल्य	धनराशि			
		एकीकृत	केन्द्रीय	राज्य कर/ संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
7क-अन्तरराज्यिक पूर्तियाँ					
समेकित दर-वार जावक पूर्ति (टी सी एस सम्बन्धी ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से कृत पूर्ति सहित)					
7ख-अन्तरराज्यिक पूर्तियाँ, जहाँ बीजक मूल्य 2.5 लाख रुपए तक हो (दर-वार) समेकित दर-वार जावक पूर्तियाँ (टी सी एस सम्बन्धी ई-वाणिज्य प्रचालन के माध्यम से की गई पूर्ति सहित)					
पूर्ति का स्थान (राज्य का नाम)					

(ज) सारणी 9 में,-

(i) शब्द “नामे नोट, जमा पत्र, प्रतिदाय वाउचर” के स्थान पर, शब्द “नाम नोट और जमा पत्र” रख दिये जाएंगे;

(ii) शब्द और अक्षर “दस्तावेज का संशोधित ब्यौरे या मूल डेबिट या क्रेडिट नोट या प्रतिदाय वाउचर के ब्यौरे” के स्थान पर, शब्द और अक्षर “दस्तावेज का संशोधित ब्यौरा या मूल डेबिट या क्रेडिट नोट का ब्यौरा” रख दिये जाएंगे;

(iii) उपशीर्षक के स्तम्भ-2 और स्तम्भ-3 में, “बीजक” शब्द निकाल दिया जाएगा;

(iv) उपशीर्षक के स्तम्भ-5 और स्तम्भ-6 में, शब्द “बीजक” के स्थान पर, शब्द “दस्तावेज” रख दिया जायेगा;

(झ) सारणी 9क में, शब्द “यदि बीजक/पोत परिवहन पत्र में दिए गए ब्यौरे गलत थे” के स्थान पर, शब्द “पहले प्रस्तुत बीजक/पोत परिवहन-पत्र में दिए गए ब्यौरों का संशोधन” रख दिये जायेंगे;

(ञ) सारणी 9 ख में, शब्द “प्रतिदाय वाउचर” निकाल दिये जायेंगे;

(ट) सारणी 9ग में, शब्द कोष्ठक “नामे नोट/जमा पत्र/प्रतिदाय वाउचर (उसके संशोधन)” के स्थान पर, शब्द और कोष्ठक “नामे नोट/जमा पत्र (संशोधित)” रख दिये जायेंगे;

(ठ) सारणी 10 में, शब्द “माह” के स्थान पर, शब्द “माह/तिमाही” रख दिये जायेंगे

(ड) सारणी 10क(1) और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों को निकाल दिया जाएगा;

(ढ) सारणी 10ख(1) और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों को निकाल दिया जाएगा;

(ण) सारणी 11 के शीर्षक में, शब्द "पूर्वत्तर कर अवधि" के पश्चात्, कोष्ठक और शब्द "(शुद्ध प्रतिदाय वाउचर, यदि कोई हो)" रख दिये जाएंगे;

(त) सारणी 12 के उपशीर्षक के स्तम्भ-3 में, कोष्ठक और शब्द "(वैकल्पिक, यदि एचएसएन प्रदान किया गया हो)" निकाल दिये जायेंगे;

(थ) सारणी 13 के पश्चात् और सत्यापन से पूर्व, निम्नलिखित सारणियाँ बढ़ा दी जाएंगी, अर्थात् :-

"14-ई-वाणिज्य प्रचालकों के माध्यम से कृत पूर्तियों के ब्यौरे, जिस पर ई-वाणिज्य प्रचालक, अधिनियम की धारा 52 या धारा 9(5) के अधीन कर देने के लिए दायी है (रिपोर्ट करने के लिए पूर्तिकर्ता)

पूर्ति की प्रकृति	ई-वाणिज्य प्रचालन का जीएसटी आईएन	पूर्तियों का कुल मूल्य	कर की धनराशि			
			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7
(क) पूर्ति, जिन पर ई-वाणिज्य प्रचालन धारा 52 के अधीन कर संग्रह करने का दायी है						
(ख) पूर्ति, जिन पर ई-वाणिज्य प्रचालन धारा 9(5) के अधीन कर देने के लिए दायी है						

14क-ई-वाणिज्य प्रचालन के माध्यम से की गई पूर्तियों के ब्यौरों का संशोधन, जिस पर ई-वाणिज्य प्रचालन, अधिनियम की धारा 52 के अधीन कर संग्रह करने के दायी है या धारा 9(5) के अधीन कर देने के लिए दायी हैं,-

पूर्ति की प्रकृति	मूल ब्यौरे		संशोधित ब्यौरे	पूर्तियों का कुल मूल्य	कर की धनराशि			
	माह/ तिमाही	ई- वाणिज्य प्रचालन का जीएसटी आईएन	ई- वाणिज्य आपरेटर का जीएसटी आईएन		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9
(अ) पूर्ति, जिन पर ई-वाणिज्य प्रचालन धारा 52 के अधीन कर संग्रह करने का दायी है								
(आ) पूर्ति, जिस पर ई-वाणिज्य आपरेटर धारा 9(5) के अधीन कर देने के लिए दायी है								

15-ई-वाणिज्य प्रचालकों के माध्यम से की गई पूर्तियों का ब्यौरा, जिस पर ई-वाणिज्य प्रचालक, धारा 9(5) के अधीन कर देने के लिए दायी हैं (ई-वाणिज्य प्रचालक की रिपोर्ट करने के लिए)

पूर्तिकर्ता का प्रकार	प्राप्तिकर्ता का प्रकार	पूर्तिकर्ता का जी एस टी आई एन	प्राप्तिकर्ता का जी एस टी आई एन	दस्तावेज संख्या	दस्तावेज तारीख	दर	की गई पूर्ति का मूल्य	कर की रकम				पूर्ति का स्थान
								एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
रजिस्ट्रीकृत	रजिस्ट्रीकृत											
	अरजिस्ट्रीकृत											
अरजिस्ट्रीकृत	रजिस्ट्रीकृत											
	अरजिस्ट्रीकृत											

15क(1)-ई-वाणिज्य प्रचालकों के माध्यम से की गई पूर्तियों के ब्यौरों का संशोधन, जिस पर ई-वाणिज्य आपरेटर धारा 9(5) के अधीन कर देने के लिए दायी हैं (ई-वाणिज्य प्रचालक को रिपोर्ट करने के लिए, रजिस्ट्रीकृत प्राप्तिकर्ताओं के लिए)

पूर्तिकर्ता का प्रकार	मूल ब्यौरे				संशोधित ब्यौरे				दर	की गई पूर्ति का मूल्य	कर की धनराशि				पूर्ति का स्थान
	पूर्तिकर्ता का जी एस टी आई एन	प्राप्तिकर्ता का जी एस टी आई एन	दस्तावेज संख्या	दस्तावेज तारीख	पूर्तिकर्ता का जी एस टी आई एन	प्राप्तिकर्ता का जी एस टी आई एन	दस्तावेज संख्या	दस्तावेज तारीख			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
रजिस्ट्रीकृत															
अरजिस्ट्रीकृत															

15क(II)-ई-वाणिज्य प्रचालकों के माध्यम से की गई पूर्तियों के ब्यौरों का संशोधन, जिस पर ई-वाणिज्य प्रचालक धारा 9(5) के अधीन कर देने के लिए दायी हैं (ई-वाणिज्य प्रचालन को रिपोर्ट करने के लिए, रजिस्ट्रीकृत प्राप्तिकर्ताओं के लिए)

पूर्ति का प्रकार	मूल ब्यौरे		संशोधित ब्यौरे	दर	की गई पूर्ति का मूल्य	कर की धनराशि				पूर्ति का स्थान
	पूर्तिकर्ता का जीएसटी आईएन	कर अवधि	पूर्तिकर्ता का जीएसटी आईएन			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
रजिस्ट्रीकृत										
अरजिस्ट्रीकृत										“;”

(द) अनुदेशों के स्थान पर, निम्नलिखित रख दिया जाएगा, अर्थात् :-

“क-सामान्य अनुदेश-

1-प्रयुक्त शब्द :-

- (क) जी एस टी आई एन : माल और सेवा कर पहचान संख्या
 (ख) यू आई एन : यूनीक पहचान संख्या
 (ग) यू क्यू सी : यूनीक परिमाण कोड
 (घ) एच एस एन : नाम पद्धति की सामंजस्यपूर्ण प्रणाली
 (ङ) पी ओ एस : पूर्ति का स्थान (अपने-अपने राज्य क्षेत्र)
 (च) टी सी एस : ई-वाणिज्य प्रचालक द्वारा स्रोत पर कर संग्रह
 (छ) एस ई जेड : विशेष आर्थिक जोन
 (ज) ई सी ओ : ई-वाणिज्य प्रचालक
 (झ) डी टी ए : घरेलू टैरिफ क्षेत्र
 (ञ) बी से बी : एक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से दूसरे रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को पूर्ति
 (ट) बी से सी : एक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को पूर्ति

2-तिमाही के पहले दो माह (महीनों) के लिए जीएसटीआर-1 या आईएफएफ के माध्यम से बीजक ब्यौरों को फाइल करने वाले तिमाही करदाता, तिमाही के जीएसटीआर-1 को फाइल करते समय ऐसे ब्यौरों को नहीं दुहराएंगे।

(ख) सारणी विनिर्दिष्ट अनुदेश-

क्रम संख्या	सारणी संख्या	अनुदेश
1	2	3
1	4क	(i) ई-वाणिज्य प्रचालन के माध्यम से की गई पूर्तियों सहित रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई पूर्ति, धारा 52 के अधीन टी सी एस से सम्बन्धित, लेकिन रिवर्स चार्ज के आधार पर कर से सम्बन्धित पूर्ति को छोड़कर, रिपोर्ट की जाएगी। (ii) धारा 9(5) के अधीन पूर्ति, जिसके लिए ई-वाणिज्य आपरेटर कर देने के लिए दायी हैं, इस सारणी में रिपोर्ट नहीं की गई है। (iii) प्रवेश-पत्र के समावेशित होने पर एस ई जेड द्वारा की गई पूर्ति एस ई जेड इकाई/विकासकर्ता द्वारा रिपोर्ट नहीं की जाएगी।
2	4ख	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई पूर्ति, रिवर्स चार्ज के आधार पर सम्बन्धित कर को रिपोर्ट किया जाएगा। धारा 9(5) के अधीन की गई पूर्ति, जिस पर ई-वाणिज्य प्रचालक कर देने के लिए दायी है, इस सारणी में रिपोर्ट नहीं किया जाएगा।

1	2	3
3	5	अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों, जो 2.50 लाख रुपए से अधिक की बीजक रखते हों, द्वारा की गई अन्तरराज्यिक पूर्ति को रिपोर्ट किया जाएगा।
4	6क	आई जी एस टी के साथ या उसके बिना निर्यात को रिपोर्ट किया जाएगा। पोत पत्र के ब्यौरे, यदि लागू हों, बाद में सारणी 9 के माध्यम से प्रदान किया जा सकता है, यदि ऐसा ब्यौरा, विवरण फाइल करते समय उपलब्ध नहीं है।
5	6ख	आई जी एस टी के साथ या उसके बिना, एस ई जेड इकाइयों या एस ई जेड विकासकर्ताओं को की गई पूर्ति रिपोर्ट की जाएगी।
6	6ग	मानित निर्यात पूर्ति की रिपोर्ट की जाएगी।
7	7	सारणी 5 में रिपोर्ट किए गए उन व्यक्तियों से अन्यथा अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई पूर्ति को रिपोर्ट किया जाएगा। मूल्य को जमा पक्ष और नामे नोट का योग होगा।
8	8	ऐसी पूर्तियाँ जिनकी कोई कर देनदारी नहीं है (शून्य रेटेड, छूट प्राप्त और गैर-जीएसटी आपूर्तियाँ) सूचित की जाएंगी। धारा 9(5) के अधीन ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से की गई पूर्ति को पूर्तिकर्ता की छूट प्राप्त आपूर्ति के अधीन सम्मिलित नहीं किया जाएगा।
9	9क	सारणी 4क, 4ख, 5, 6क, 6ख, और 6ग में बताए गए मूल्यों में संशोधन की सूचना दी जाएगी।
10	9ख	अवधि के दौरान जारी किए गए नामे क्रेडिट और जमा पत्र की सूचना दी जाएगी।
11	9ग	सारणी 9ख में रिपोर्ट किए गए क्रेडिट और डेबिट नोट्स में संशोधन की सूचना दी जाएगी।
12	10	सारणी 7 में रिपोर्ट की गई अरजिस्ट्रीकृत पूर्ति में संशोधन की सूचना दी जाएगी।
13	11(I)क	प्राप्त अग्रिमों की सूचना दी जाएगी। मूल्य वापसी वाउचर, यदि कोई हो, का निवल होगा।
14	11(I)ख	अवधि के दौरान समायोजित अग्रिमों की सूचना दी जाएगी।
15	11(II)	प्राप्त या समायोजित अग्रिमों में संशोधन की सूचना दी जाएगी।
16	12	सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अधिसूचनाओं के अनुसार एचएसएन विवरण की सूचना दी जाएगी।
17	13	अवधि के दौरान जारी किए गए दस्तावेजों के विवरण की सूचना दी जाएगी।
18	14(क)	ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से प्ररूप 4 से 10 तक किसी सारणी में रिपोर्ट की गई पूर्ति का विवरण, जिस पर ईसीओ धारा 52 के अधीन स्रोत पर कर (टीसीएस) एकत्र करने के लिए उत्तरदायी है, आपूर्तिकर्ता द्वारा रिपोर्ट किया जाएगा।
19	14(ख)	ईसीओ के माध्यम से की गई पूर्ति का विवरण, जिस पर ईसीओ धारा 9(5) के अधीन कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है, पूर्तिकर्ता द्वारा सूचित किया जाएगा। ऐसी आपूर्तियों पर कर का संदाय ईसीओ द्वारा किया जाएगा न कि आपूर्तिकर्ता द्वारा।
20	14क(अ)	पूर्व कर अवधि में सारणी 14(क) में रिपोर्ट की गई आपूर्ति में संशोधन की सूचना दी जाएगी।

1	2	3
21	14क(आ)	पूर्व कर अवधि में सारणी 14(ख) में रिपोर्ट की गई आपूर्ति में संशोधन की सूचना दी जाएगी।
22	15	(i) इसीओ उसके माध्यम से की गई पूर्ति के विवरण की रिपोर्ट करेगा, जिस पर वह धारा 9(5) के अधीन कर का संदाय करने के लिए उत्तरदायी है। (ii) पूर्तिकर्ता और प्राप्तकर्ता का जीएसटीआईएन, यदि रजिस्ट्रीकृत है, तो सूचित किया जाएगा। (iii) यदि प्राप्तकर्ता रजिस्ट्रीकृत है, तो इसीओ द्वारा जारी दस्तावेजों के विवरण की सूचना दी जाएगी।
23	15क(I)	रजिस्ट्रीकृत प्राप्तकर्ताओं के सम्बन्ध में पूर्व की कर अवधि में सारणी 15 में रिपोर्ट किए गए विवरण में संशोधन की सूचना दी जाएगी।
24	15क(II)	अरजिस्ट्रीकृत प्राप्तकर्ताओं के सम्बन्ध में पूर्ववर्ती कर अवधियों में सारणी 15 में रिपोर्ट किए गए विवरण में संशोधन की सूचना दी जाएगी।”।

22—उक्त नियमों में, प्रपत्र जीएसटी आरएफडी-01 में उपाबन्ध 1 में कथन-7 के पश्चात, निम्नलिखित कथन बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

“कथन-8 [नियम 89 (2)(टक)]

वापसी का प्रकार : अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के लिए धन वापसी

क्रम संख्या	पूर्तिकर्ता का जी एस टी आई एन	दस्तावेज / बीजक के ब्यौरे				कर का संदाय				पूर्तिकर्ता को चालान मूल्य के संदाय का विवरण		रद्दीकरण / समाप्ति के विरुद्ध प्राप्त संदाय का विवरण		दावा की गई वापसी की धनराशि (आई + सी + एस + उपकर)
		दस्तावेज का प्रकार	संख्या	तारीख	कर योग्य मूल्य	एकीकृत कर (आई)	केन्द्रीय कर (सी)	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर (एस)	उपकर	तारीख	धनराशि	तारीख	धनराशि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
														”।

23—उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटी एपीएल-02 में, शीर्षक में, शब्द, अंक और कोष्ठक “नियम 108(3)” के पश्चात, शब्द, अंक और कोष्ठक “और 109(2)” बढ़ा दिये जाएंगे।

24—उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटी एपीएल-03 के पश्चात, निम्नलिखित प्ररूप बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

“प्ररूप जीएसटी एपीएल-01/03 डब्ल्यू

[नियम 109ग देखें]

अपील आवेदन वापस लेने के लिए आवेदन

1—जीएसटीआईएन :

2—व्यवसाय का नाम (विधिक) [यदि धारा 107 की उपधारा (1) के अधीन अपील फाईल की जाती है]

:

3—अपीलार्थी का नाम और पदनाम [यदि धारा 107 की उपधारा (1) के अधीन अपील फाईल की जाती है] :

4—आदेश संख्या एवं तारीख :

5—अपील का एआरएन और तारीख :

6-निकासी के कारण :

- (i) निर्णायक प्राधिकारी के आदेश की स्वीकृति।
- (ii) समान विषय वस्तु पर उच्च अपील प्राधिकारी/न्यायालय के आदेश की स्वीकृति।
- (iii) फाईल अपील में गलतियों/चूक के सुधार के पश्चात् फिर से अपील फाईल करने की आवश्यकता है।
- (iv) अपील में सम्मिलित धनराशि बोर्ड/आयुक्त द्वारा अपील के लिए निर्धारित मौद्रिक सीमा से कम है।
- (v) कोई अन्य कारण।

7-घोषणा [धारा 107 की उपधारा (1) के अधीन अपील फाईल होने की स्थिति में लागू] :

मैं/हम <करदाता का नाम> इसके द्वारा सत्यनिष्ठा से पुष्टि और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यहाँ दी गई जानकारी मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

स्थान :

हस्ताक्षर

तारीख :

आवेदक/आवेदक
अधिकारी का नाम
पदनाम/प्रास्थिति”।

25-उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01क के पश्चात्, निम्नलिखित प्ररूप बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :-

**“प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ख
[नियम 88ग देखें]
भाग-ए (प्रणाली जनित)**

जावक पूर्तियों के विवरण में रिपोर्ट की गई देनदारी और बदले में रिपोर्ट की गई देनदारी में अन्तर की सूचना

सन्दर्भ संख्या :

तारीख :

जीएसटीआईएन :

विधिक नाम :

1-यह दृष्टव्य है कि आपके द्वारा संदेय कर प्ररूप जीएसटीआर-1 में या चालान प्रस्तुत करने की सुविधा का उपयोग करते हुए, आपके द्वारा जावक पूर्तियों के विवरण के अनुसार आपके द्वारा प्रस्तुत किए गए रिटर्न के अनुसार आपके द्वारा संदेय किए गए कर की धनराशि की अवधि के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3बी <से> <से> तक रुपये की राशि से अधिक है। का विवरण इस प्रकार है

प्ररूप का प्रकार	देयता घोषित/ संदेय (रुपये में)				
	आईजीएसटी	सीजीएसटी	एसजीएसटी/यूटीजीएसटी	उपकर	कुल
प्ररूप जीएसटीआर-1/ आईएफ एफ					
प्ररूप जीएसटीआर-3बी					
दायित्व में अन्तर					

2-नियम 88ग के उपनियम (1) के अनुसार, आपसे अनुरोध किया जाता है कि या तो धारा 50 के अधीन ब्याज के साथ उक्त अन्तर कर देयता का भुगतान प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से करें और/या प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ख भाग-ख में उसका विवरण प्रस्तुत करें या, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01बी के भाग-बी में उत्तर प्रस्तुत करें, जिसमें अन्तर कर देयता के उस हिस्से के सम्बन्ध में कारणों को सम्मिलित किया गया है, जो सात दिनों की अवधि के भीतर भुगतान नहीं किया गया है।

3-यह ध्यान दिया जाए कि जहाँ कोई धनराशि सात दिनों की अवधि के भीतर भुगतान नहीं की जाती है और जहाँ आपके द्वारा कोई स्पष्टीकरण या कारण प्रस्तुत नहीं किया जाता है या जहाँ आपके द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण या कारण उचित अधिकारी द्वारा स्वीकार्य नहीं पाया जाता है, उक्त धनराशि सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 79 के उपबन्धों के अनुसार वसूली योग्य होगी।

4-यह एक प्रणाली जनित सूचना है और इसमें हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

भाग-ख

देयता में अन्तर की सूचना के सम्बन्ध में करदाता द्वारा प्रतिउत्तर

सूचना की सन्दर्भ संख्या :

तारीख :

(क) मैंने प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ख के भाग-क में यथाविनिर्दिष्ट अन्तर कर देयता की धनराशि का संदेय पूर्णतः या आंशिक रूप से, धारा 50 के अधीन ब्याज के साथ, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से किया है, और उसके विवरण नीचे दिए गए हैं :

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 का एआरएन	शीर्ष के अधीन संदाय	कर अवधि	आईजीएसटी	सीजीएसटी	एसजीएसटी/यूटीजीएसटी	उपकर

और/या

(ख) अन्तर कर देयता के उस हिस्से के सम्बन्ध में कारण जो संदेय नहीं किया गया है, निम्नानुसार है :

क्रम संख्या	अन्तर के लिए संक्षिप्त कारण	विवरण (आज्ञापक)
1	प्ररूप जीएसटीआर-3ख में पूर्व कर अवधि में संदत्त की गई अतिरिक्त देयता	
2	पूर्व कर अवधि के कुछ लेनदेन जिन्हें उक्त कर अवधि के प्ररूप जीएसटीआर-1/आईएफएफ में घोषित नहीं किया जा सकता था, लेकिन जिनके सम्बन्ध में कर का भुगतान पहले ही उक्त कर अवधि के प्ररूप जीएसटीआर-3ख में किया जा चुका है और जिन्हें अब विचाराधीन कर अवधि के प्ररूप जीएसटीआर-1/आईएफएफ में घोषित किया गया है।	
3	प्ररूप जीएसटीआर-1/आईएफएफ गलत विवरण के साथ फाईल किया गया है और अगली कर अवधि में संशोधित किया जाएगा (टाइपिंग त्रुटियों, गलत कर दरों आदि सहित)	
4	प्राप्त अग्रिमों की रिपोर्टिंग में त्रुटि और चालान के विरुद्ध समायोजित	
5	कोई अन्य कारण	

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा से पुष्टि और घोषणा करता हूँ कि यहाँ ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छुपाया नहीं गया है।

अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

नाम :

पदनाम/प्रास्थिति :

स्थान :

तारीख :'' ।

26-उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रख दिया जाएगा, अर्थात् :-

"प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03

[नियम 142(2) और 142(3) देखें]

स्वैच्छिक रूप से किया गया संदाय की सूचना या किया गया कारण बताओं नोटिस (एससीएन) या विवरण या प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01क के माध्यम से अभिनिश्चित कर की सूचना

1	जीएसटीआईएन	
2	नाम	<ऑटो>
3	संदाय का कारण	<<ड्रॉप डाउन>>
3क	गलत आईजीएसटी प्रतिदाय के लदान बिल के ब्यौरे (केवल विनिर्दिष्ट प्रवर्ग ड्राप डाउन मेन्यू में चुने जाने के लिए सक्षम है)।	(i) लदान बिल/निर्यात बिल की संख्या और तारीख : (ii) माल के निर्यात पर संदत्त आईजीएसटी की धनराशि : (iii) रियायती दर या छूट पर निवेश की उपाप्ति के लिए उपयोग की गई अधिसूचना संख्या : (iv) अधिसूचना की तारीख : (v) प्राप्त किए गए प्रतिदाय की धनराशि : (vi) निक्षेपित किए जाने वाले गलत प्रतिदाय की धनराशि : (vii) बैंक खाते में प्रतिदाय के प्रत्यय की तारीख :
4	वह धारा जिसके अधीन स्वैच्छिक संदाय किया गया है।	<<ड्रॉप डाउन>>
5	कारण बताओ सूचना के ब्यौरे, यदि संदाय प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01क के माध्यम से अभिनिश्चित कर के निर्गम, सूचना, संपरीक्षा, निरीक्षण, अन्वेषण, जीएसटी आरएफडी-01 के 30 दिन के भीतर किया जाता है, अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	सन्दर्भ संख्या/एआरएन जारी करने/फाईल करने की तारीख

6	वित्तीय वर्ष											
7	ब्याज और शास्ति सहित किए गए संदाय के ब्यौरे, यदि लागू हो (रुपये में धनराशि)											
क्रम संख्या	कर अवधि	अधिनियम	पूर्ति का स्थान (पीओएस)	कर/ उपकर	ब्याज	शास्ति, यदि लागू हो	फीस	अन्य	योग	उपयोग किए गए खाते (नकद/ प्रत्यय)	विकलन प्रविष्टि संख्या	विकलन प्रविष्टि की तारीख
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

8-कारण, यदि कोई हो- << टेक्स्ट बॉक्स >>

9-सत्यापन -

मैं तदनुसार सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर
नाम
पदनाम/प्रास्थिति

तारीख

टिप्पणी :-

1-नियम 96 के उपनियम (10) के उल्लंघन में प्राप्त एकीकृत माल और सेवा कर के गलत प्रतिदाय के निक्षेप के लिए और अप्रयुक्त इनपुट कर प्रत्यय के गलत प्रतिदाय के निक्षेप के लिए, संदाय केवल नकद में ही किया जाना है।

2-प्ररूप जीएसटी आरएफडी-01 के एआरएन को अनिवार्य रूप से उल्लिखित किया जाना चाहिए यदि संदाय का कारण चयनित किया गया है-“अप्रयुक्त इनपुट कर प्रत्यय के गलत प्रतिदाय का निक्षेप”।

3-लदान बिल के ब्यौरे उसी पैटर्न में प्रविष्ट किए जाने चाहिए जिसमें प्रतिदाय के ब्यौरे प्रविष्ट किए गए हैं।”।

27-उक्त नियमावली के प्ररूप जीएसटी डीआरसी-25 में,-

(i) शब्द “पुनरीक्षण अधिकारी” के पश्चात् शब्द और अक्षर “दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के अधीन न्यायनिर्णायक प्राधिकारी या अपील प्राधिकारी” बढ़ा दिये जाएंगे;

(ii) शब्द “अपील या पुनरीक्षण के निपटान के पहले” के स्थान पर शब्द “अपील या पुनरीक्षण या किन्हीं अन्य कार्यवाहियों के निपटान के पहले” रख दिये जाएंगे;

(iii) शब्द “अपील पुनरीक्षण” के पश्चात् अक्षर और शब्द “या किन्हीं अन्य कार्यवाहियों को” बढ़ा दिये जाएंगे।

आज्ञा से,
नितिन रमेश गोकर्ण,
प्रमुख सचिव।

In pursuance of the provision of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Government notification no. 04/XI-2-23-9(42)-17-T.C. 65-U.P. GST Rules-2017-Order(267)-2023, dated March 20, 2023 :

No. 04/XI-2-23-9(42)-17-T.C. 65-U.P. GST Rules-2017-Order(267)-2023

Dated Lucknow, March 20, 2023

In exercise of the powers conferred by section 164 of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no. 1 of 2017), the Governor, on the recommendations of the Council, hereby makes the following rules to further amend the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017, namely :-

**UTTAR PRADESH GOODS AND SERVICES TAX
(FIFTY-NINTH AMENDMENT) RULES, 2023**

1. (1) These rules may be called the Uttar Pradesh Goods and Services Tax (Fifty-Ninth Amendment) Rules, 2023. Short title and commencement

(2) Save as otherwise provided in these rules, they shall be deemed to have come into force with effect from 26th day of December, 2022 :

Provided further that provisions of clause (iv) and (v) of rule 2 of this notification shall come into force with effect from such date as notified by the Government.

2. In the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017 in rule 8,— Amendment of rule 8

(i) in sub-rule (1), the words and letters, "mobile number, e-mail address," shall be *omitted*;

(ii) in sub-rule (2), in clause (a), *after* the words "Direct Taxes", the words "and shall also be verified through separate one-time passwords sent to the mobile number and e-mail address linked to the Permanent Account Number" shall be *inserted*;

(iii) in sub-rule (2), clause (b) and (c) shall be *omitted*;

(iv) for sub-rule (4A), the following sub-rule shall be *substituted*. namely :-

"(4A) Every application made under sub-rule (4) by a person, other than a person notified under sub-section (6d) of section 25, who has opted for authentication of Aadhaar number and is identified on the common portal, based on data analysis and risk parameters, shall be followed by biometric-based Aadhaar authentication and taking photograph of the applicant where the applicant is an individual or of such individuals in relation to the applicant as notified under sub-section (6C) of section 25 where the applicant is not an individual, along with the verification of the original copy of the documents uploaded with the application in FORM GST REG-01 at one of the Facilitation Centres notified by the Commissioner for the purpose of this sub-rule and the application shall be deemed to be complete only after completion of the process laid down under this sub-rule.";

(v) in sub-rule (5), *after* the words, brackets and figure "sub-rule (4)", the words, brackets, figure and letter "or sub-rule (4A)", shall be *inserted*.

Amendment of rule 9	<p>3. In the said rules, in rule 9,—</p> <p>(i) in sub-rule (1), in the proviso, after clause (a), the following clause shall be <i>inserted</i>, namely :—</p> <p>"(aa) a person, who has undergone authentication of Aadhaar number as specified in sub-rule (4A) of rule 8, is identified on the common portal, based on data analysis and risk Parameters, for carrying out physical verification of places of business; or";</p> <p>(ii) in sub-rule (2), in the proviso, after clause (a), the following clause shall be <i>inserted</i>, namely :—</p> <p>"(aa) a person, who has undergone authentication of Aadhaar number as specified in sub-rule (4A) of rule 8, is identified on the common portal, based on data analysis and risk parameters, for carrying out physical verification of places of business; or".</p>
Amendment of rule 12	<p>4. In the said rules, in rule 12, in sub-rule (3), <i>after</i> the word, "Where", the words, brackets and figure, "on a request made in writing by a person to whom a registration has been granted under sub-rule (2) or", shall be <i>inserted</i>.</p>
Amendment of rule 37	<p>5. In the said rules, in rule 37 in sub-rule (1), with effect from 1st day of October, 2022,—</p> <p>(i) <i>after</i> the words, "value of such supply", the words, "whether wholly or partly," shall be <i>inserted</i>;</p> <p>(ii) <i>after</i> the words, "shall pay", the words, "or reverse" shall be <i>inserted</i>;</p> <p>(iii) <i>after</i> the words, "in respect of such supply", the letters and words, "Proportionate to the amount not paid to the supplier," shall be <i>inserted</i>.</p>
Amendment of rule 37	<p>6. In the said rules, <i>after</i> rule 37, the following rule shall be <i>inserted</i>, namely :—</p> <p>"37A. Reversal of input tax credit in the case of non-payment of tax by the supplier and re-availment thereof—Where input tax credit has been availed by a registered person in the return in FORM GSTR-3B for a tax period in respect of such invoice or debit note, the details of which have been furnished by the supplier in the statement of outward supplies in FORM GSTR-1 or using the invoice furnishing facility, but the return in FORM GSTR-3B for the tax period corresponding to the said statement of outward supplies has not been furnished by such supplier till the 30th day of September following the end of financial year in which the input tax credit in respect of such invoice or debit note has been availed, the said amount of input tax credit shall be reversed by the said registered person, while furnishing a return in FORM GSTR-3B on or before the 30th day of November following the end of such financial year :</p> <p>Provided that where the said amount of input tax credit is not reversed by the registered person in a return in FORM GSTR-3B on or before the 30th day of November following the end of such financial year during which such input tax credit has been availed, such amount shall be payable by the said person along with interest thereon under section 50:</p>

Provided further that where the said supplier subsequently furnishes the return in FORM GSTR-3B for the said tax period, the said registered person may re-avail the amount of such credit in the return in FORM GSTR-3B for a tax period thereafter."

7. In the said rules, in rule 46, in clause (f), the following proviso shall be *inserted*, namely :—

Amendment of
rule 46

"Provided that where any taxable service is supplied by or through an electronic commerce operator or by a supplier of online information and database access or retrieval services to a recipient who is unregistered, irrespective of the value of such supply, a tax invoice issued by the registered person shall contain the name and address of the recipient along with its PIN code and the name of the State and the said address shall be deemed to be the address on record of the recipient."

8. In the said rules, in rule 46A, the following proviso shall be *inserted*, namely :—

Amendment of
rule 46A

"Provided that the said single "invoice-cum-bill of supply" shall contain the particulars as specified under rule 46 or rule 54, as the case may be, and rule 49."

9. In the said rules, in rule 59, in sub-rule (6), *after* clause (c), the following clause shall be *inserted*, namely :—

Amendment of
rule 59

"(d) a registered person, to whom an intimation has been issued on the common portal under the provisions of sub-rule (1) of rule 88C in respect of a tax period, shall not be allowed to furnish the details of outward supplies of goods or services or both under section 37 in FORM GSTR-1 or using the invoice furnishing facility for a subsequent tax period, unless he has either deposited the amount specified in the said intimation or has furnished a reply explaining the reasons for any amount remaining unpaid, as required under the provisions of sub-rule (2) of rule 88C."

10. In the said rules, in rule 87, in sub-rule (8), the following proviso shall be *inserted*, namely :—

Amendment of
rule 87

"Provided that where the bank fails to communicate details of Challan Identification Number to the Common Portal, the Electronic Cash Ledger may be updated on the basis of e-Scroll of the Reserve Bank of India in cases where the details of the said e-Scroll are in conformity with the details in challan generated in FORM GST PMT-06 on the Common Portal."

11. In the said rules, *after* rule 88B, the following rule shall be *inserted*, namely :—

Amendment of
rule 88B

"88C. Manner of dealing with deference in liability reported in statement of outward supplies and that reported in return—(1) Where the tax payable by a registered person, in accordance with the statement of outward supplies furnished by him in FORM GSTR-1 of using the Invoice Furnishing Facility in respect of a tax period, exceeds the amount of tax payable by such person in accordance with the return for that period furnished by him in FORM GSTR-3B, by such amount and such percentage, as may be recommended by the Council, the said registered person shall be intimated of such difference in Part A of FORM GST DRC-01B, electronically on the common portal, and a copy of such Intimation shall also be sent to his e-mail address provided at the time of registration or as amended from time to time, highlighting the said difference and directing him to —

(a) pay the differential tax liability, along with interest under section 50, through FORM GST DRC-03; or

(b) explain the aforesaid difference in tax payable on the common portal, within a period of seven days.

(2) The registered person referred to sub-rule (1) shall, upon receipt of the intimation referred to in that sub-rule, either,—

(a) pay the amount of the differential tax liability, as specified in Part A of FORM GST DRC-01B fully or partially, along with interest under section 50, through FORM GST DRC-03 and furnish the details thereof in Part B of FORM GST DRC-01B electronically on the common portal; or

(b) furnish a reply electronically on the common portal, incorporating reasons in respect of that part of the differential tax liability that has remained unpaid, if any, in Part B of FORM GST DRC-01B, within the period specified in the said sub-rule.

(3) Where any amount specified in the intimation referred to in sub-rule (1) remains unpaid within the period specified in that sub-rule and where no explanation or reason is furnished by the registered person in default or where the explanation or reason furnished by such person is not found to be acceptable by the proper officer, the said amount shall be recoverable in accordance with the provisions of section 79."

Amendment of
rule 89

12. In the said rules, in rule 89, in sub-rule (2),—

(i) *after* clause (k), the following clause shall be *inserted*, namely :—

"(ka) a statement containing the details of invoices viz. number, date, value, tax paid and details of payment, in respect of which refund is being claimed along with copy of such invoices, proof of making such payment to the supplier, the copy of agreement or registered agreement or contract, as applicable, entered with the supplier for supply of service, the letter issued by the supplier for cancellation or termination of agreement or contract for supply of service, details of payment received from the supplier against cancellation or termination of such agreement along with proof thereof, in a case where the refund is claimed by an unregistered person where the agreement or contract for supply of service has been cancelled or terminated;

(kb) a certificate issued by the supplier to the effect that he has paid tax in respect of the invoices on which refund is being claimed by the applicant, that he has not adjusted the tax amount involved in these invoices against his tax liability by issuing credit note, and also, that he has not claimed and will not claim refund of the amount of tax involved in respect of these invoices, in a case where the refund is claimed by an unregistered person where the agreement or contract for supply of service has been cancelled or terminated;"

(ii) In clause (m), *after* the proviso, the following proviso shall be *inserted*, namely :—

"Provided further that a certificate is not required to be furnished in cases where refund is claimed by an unregistered person who has borne the incidence of tax."

13. In the said rules, in rule 108, *for* sub-rule (3), the following sub-rule shall be *substituted*, namely :—

Amendment of
rule 108

"(3) Where the decision or order appealed against is uploaded on the common portal, a final acknowledgement, indicating appeal number, shall be issued in FORM GST APL-02 by the Appellate Authority or an officer authorised by him in this behalf and the date of issue of the provisional acknowledgment shall be considered as the date of filing of appeal :

Provided that where the decision or order appealed against is not uploaded on the common portal, the appellant shall submit a self-certified copy of the said decision or order within a period of seven days from the date of filing of FORM GST APL-01 and a final acknowledgment, indicating appeal number, shall be issued in FORM GST APL-02 by the Appellate Authority or an officer authorised by him in this behalf, and the date of issue of the provisional acknowledgment shall be considered as the date of filing of appeal :

Provided further that where the said self-certified copy of the decision or order is not submitted within a period of seven days from the date of filing of FORM GST APL-01, the date of submission of such copy shall be considered as the date of filing of appeal."

14. In the said rules, *for* rule 109, the following rule shall be *substituted*, namely :—

Amendment of
rule 109

"109. Application to the Appellate Authority—(1) An application to the Appellate Authority under sub-section (2) of section 107 shall be filed in FORM GST APL-03, along with the relevant documents, either electronically or otherwise as may be notified by the Commissioner and provisional acknowledgment shall be issued to the appellant immediately.

(2) Where the decision or order appealed against is uploaded on the common portal, a final acknowledgment, indicating appeal number, shall be issued in FORM GST APL-02 by the Appellate Authority or an officer authorised by him in this behalf and the date of issue of the provisional acknowledgment shall be considered as the date of filing of appeal under sub-rule (1) :

Provided that where the decision or order appealed against is not uploaded on the common portal, the appellant shall submit a self-certified copy of the said decision or order within a period of seven days from the date of filing of FORM GST APL-03 and a final acknowledgment, indicating appeal number, shall be issued in FORM GST APL-02 by the Appellate Authority or an officer authorised by him in this behalf, and the date of issue of the provisional acknowledgment shall be considered as the date of filing of appeal:

	<p>Provided further that where the said self-certified copy of the decision or order is not submitted within a period of seven days from the date of filing of FORM GST APL-03, the date of submission of such copy shall be considered as the date of filing of appeal."</p>
Amendment of Rule 109B	<p>15. In the said rules, <i>after</i> rule 109B, the following rule shall be <i>inserted</i>, namely :—</p> <p>"109C. Withdrawal of Appeal—The appellant may, at any time before issuance of show cause notice under sub-section (11) of section 107 or before issuance of the order under the said sub-section, whichever is earlier, in respect of any appeal filed in FORM GST APL-01 or FORM GST APL-03, file an application for withdrawal of the said appeal by filing an application in FORM GST APL-01/03W :</p> <p>Provided that where the final acknowledgment in FORM GST APL-02 has been issued, the withdrawal of the said appeal would be subject to the approval of the appellate authority and such application for withdrawal of the appeal shall be decided by the appellate authority within seven days of filing of such application :</p> <p>Provided further that any fresh appeal filed by the appellant pursuant to such withdrawal shall be filed within the time limit specified in sub-section (1) or sub-section (2) of section 107, as the case may be."</p>
Amendment of rule 138	<p>16. In the said rules, in rule 138, in sub-rule (14), in the Annexure, in Column (2) of the table, against S. no. 5, <i>after</i> the brackets, word and figures "(Chapter 71)", the words, brackets and figures "excepting Imitation Jewellery (7117)" shall be <i>insrted</i>.</p>
Amendment of rule 161	<p>17. In the said rules, in rule 161, <i>for</i> the word, "order", the words, "intimation or notice" shall be <i>substituted</i>.</p>
FORM GST REG-01	<p>18. In the said rules, in FORM GST REG-01,—</p> <p>(i) in PART A, in the note, <i>for</i> the words, "Authorised signatory filing the application shall provide his mobile number and e-mail address", the words, "E-mail ID and Mobile Number shall be auto-populated from Income Tax database as linked with the Permanent Account Number of the applicant" shall be <i>substituted</i>;</p> <p>(ii) in the instructions for submission of application for Registration, paragraph 2 shall be <i>omitted</i>.</p>
FORM GST REG-17	<p>19. In the said rules, in FORM GST REG-17, <i>after</i> the words "on merits", the following shall be <i>inserted</i>, namely :—</p> <p>"Kindly refer to the supportive document (s) attached for case specific details".</p>

20. In the said rules, *for* FORM GST REG-19, the following form shall be *substituted*, namely :—

"FORM GST REG-19

[See rule 22(3)]

Reference Number Date

To

Name

Address

GSTIN/UIN

Application Reference Number (ARN) Date

Order for Cancellation of Registration

This has reference to show cause notice issued dated -----

WHEREAS no reply to the show cause notice has been *submitted*;

AND, WHEREAS, the undersigned based on record available with this office is of the opinion that your registration is liable to be cancelled for following reason (s); or

WHEREAS reply to the show cause notice has been submitted *vide* <ARN Number> dated -----;

AND, WHEREAS, the undersigned on examination of your reply to show cause notice and based on record available with this office is of the opinion that your registration is liable to be cancelled for following reason(s); or

WHEREAS no reply to the show cause notice has been submitted and on day fixed for personal hearing, you did not appear in person or through an authorised representative;

AND, WHEREAS, the undersigned based on record available with this office is of the opinion that your registration is liable to be cancelled for following reason(s); or

WHEREAS no reply to the show cause notice has been submitted, but you/your authorised representative attended the personal hearing and made a written or verbal submission;

AND, WHEREAS, the undersigned on examination of your written or verbal submission made during personal hearing and based on record available with this office is of the opinion that your registration is liable to be cancelled for following reason(s); or

WHEREAS reply to the show cause notice has been submitted *vide* <ARN Number> dated -----
But you or your authorised representative did not attend the personal hearing on scheduled or extended date;

AND, WHEREAS, the undersigned on examination of your reply to show cause notice and based on record available with this office is of the opinion that your registration is liable to be cancelled for following reason(s); or

WHEREAS reply to the show cause notice has been submitted *vide* <ARN Number> dated -----
and you/your authorised representative attended the personal hearing, made a written/oral submission during personal hearing;

AND, WHEREAS, the the undersigned has examined your reply to show cause notice as well as submissions made at the time of personal hearing and is of the opinion that your registration is liable to be cancelled for following reason(s) :—

(i)

(ii)

1. The effective date of cancellation of your registration is <<DD/MM/YYYY>>.
2. Kindly refer to the supportive document(s) attached for case specific details.
3. It may be noted that a registered person furnishing return under sub-section (1) of section 39 of the CGST Act, 2017 is required to furnish a final return in FORM GSTR-10 within three months of the date of this order.
4. You are required to furnish all your pending returns.
5. It may be noted that the cancellation of registration shall not affect the liability to pay tax and other dues under this Act or to discharge any obligation under this Act or the rules made thereunder for any period prior to the date of cancellation whether or not such tax and other dues are determined before or after the date of cancellation.

Place :

Date :

Signature
(Name of the officer)
Designation
Jurisdiction".

21. In the said rules, in FORM GSTR-1,—

(a) In the box—

(i) *for* the word, "Year", the words, "Financial Year" shall be *substituted*;

(ii) *for* the word, "Month", the words, "Tax period" shall be *substituted*;

(b) *for* Table 3, the following table shall be *substituted*, namely :—

"3	(a)	ARN	<Auto>
	(b)	Date of ARN	<Auto>"

(c) in Table 4A, *for* the brackets, letters and words, "(i) attracting reverse charge and (ii) supplies made through e-commerce operator", the words, brackets and letters, "attracting reverse charge (including supplies made through e-commerce operator attracting TCS)" shall be *substituted*;

(d) Table 4C and entries relating thereto shall be *omitted*;

(e) In Table 5A, *for* the figure, letters, words and brackets, "5A. Outward supplies (other than supplies made through e-commerce operator, rate wise)", the words, brackets, letters, "Outward supplies (including supplies made through e-commerce operator, rate wise)" shall be *substituted*;

(f) Table 5B and entries relating thereto shall be *omitted*;

(g) *for* the Table 7, the following table shall be *substituted*, namely :—

Rate of tax	Total Taxable value	Amount			
		Integrated	Central	State Tax/ UT Tax	Cess
1	2	3	4	5	6
7A. Inter-State supplies					
Consolidated rate wise outward supplies (including supplies made through e-commerce operator attracting TCS)					
7B. Inter-State Supplies where invoice value is upto Rs. 2.5 Lakh (Rate wise) - Consolidated rate wise outward supplies (including supplies made through e-commerce operator attracting TCS)					
Place of Supply (Name of State)					

(h) In Table 9,—

(i) in the heading, *for* the words and letters "debit notes, credit notes, refund vouchers", the words, "debit and credit noted" shall be *substituted*;

(ii) *for* the words and letter, "Revised details of document or details of original Debit or Credit Notes or refund vouchers", the words and letter, "Revised details of document or details of original Debit or Credit Notes" shall be *substituted*;

(iii) in the sub-heading, in Column no. 2 and 3, the word, "Inv." shall be *omitted*;

(iv) in the sub-heading, in Column no. 5 and 6, *for* the word, "Invoice", the word "Document" shall be *substituted*;

(i) In Table 9A, *for* the words, "If the invoice/Shipping bill details furnished earlier were incorrect", the word, "Amendment of invoice/Shipping bill details furnished earlier" shall be *substituted*;

(j) in Table 9B, the words, "Refund voucher" shall be *omitted*;

(k) in Table 9C, *for* the words and brackets, "Debit Notes/Credit Notes/Refund voucher (amendments thereof)", the words and brackets, "Debit Notes/Credit Notes (Amended)" shall be *substituted*;

(l) in Table 10, *for* the word, "Month", the words, "Month/Quarter" shall be *substituted*;

(m) Table 10A(1) and entries relating thereto shall be *omitted*;

(n) Table 10B(1) and entries relating thereto shall be *omitted*;

(o) in Table 11, in the heading, *after* the words, "earlier tax period", the brackets and words, "(Net of refund vouchers, if any)" shall be *inserted*;

(p) in Table 12, in the sub-heading, in Column no. 3, the brackets and word, "(Optional if HSN is provided)" shall be *omitted*;

(q) After Table 13 and before verification, the following tables shall be *inserted*, namely :—

"14. Details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operators are liable to collect tax under section 52 of the Act or liable to pay tax u/s 9(5) (Supplier to report)

Nature of supply	GSTIN of e-commerce operator	Net value of supplies	Tax Amount			
			Integrated Tax	Central Tax	State Tax/ UT Tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7
(a) Supplies on which e-commerce operator is liable to collect tax u/s 52						
(b) Supplies on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5)						

14A. Amendment to details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operators are liable to collect tax under section 52 of the Act or liable to pay tax u/s 9(5) (Supplier to report)

Nature of supply	Original details		Revised details	Net value of supplies	Tax amount			
	Month/ Quarter	GSTIN of e-commerce operator	GSTIN of e-commerce operator		Integrated Tax	Central Tax	State Tax/ UT Tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7	8	9
(a) Supplies on which e-commerce operator is liable to collect tax u/s 52								
(b) Supplies on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5)								

15. Details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5) (e-commerce operator to report)

Type of supplier	Type of recipient	GSTIN of supplier	GSTIN of recipient	Document no.	Document date	Rate	Value of supplies made	Tax amount				Place of supply
								Integrated Tax	Central Tax	State Tax/UT Tax	Cess	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
Registered	Registered											
	Unregistered											
Unregistered	Registered											
	Unregistered											

15A (I). Amendment to details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5) (e-commerce operator to report, for registered recipients)

Type of supplier	Original details				Revised details				Rate	Value of supplies made	Tax amount				Place of supply
	GSTIN of supplier	GSTIN of recipient	Doc. no.	Doc. date	GSTIN of supplier	GSTIN of recipient	Doc. no.	Doc. date			Integrated Tax	Central Tax	State Tax/UT Tax	Cess	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
Registered															
Unregistered															

15A (II). Amendment to details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5) (e-commerce operator to report, for unregistered recipients)

Type of supplier	Original details		Revised details	Rate	Value of supplies made	Tax amount				Place of supply
	GSTIN of supplier	Tax period	GSTIN of supplier			Integrated Tax	Central Tax	State Tax/UT Tax	Cess	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
Registered										
Unregistered										

(r) For the instructions, the following shall be *substituted*, namely :—

"A. General Instructions ,—

1. Terms used :—

- (a) GSTIN : Goods and Services Tax Identification Number
- (b) UIN : Unique Identity Number
- (c) UQC : Unit Quantity Code
- (d) HSN : Harmonized System of Nomenclature
- (e) POS : Place of Supply (Respective State)
- (f) TCS : Tax collection at source by e-commerce operator
- (g) SEZ : Special Economic Zone
- (h) ECO : E-commerce operator
- (i) DTA : Domestic Tariff Area
- (j) B to B : Supplies from one registered person to another registered person
- (k) B to C : Supplies from registered person to unregistered person

2. Quarterly taxpayers filing invoice details through GSTR-1 or IFF for the first two month(s) of the quarter shall not repeat such details while filing GSTR-1 of the quarter.

B. Table specific instructions,—

Sr. no.	Table no.	Instructions
1	2	3
1	4A	(i) Supplies made to registrerd persons including supplies made through e-commerce operator attracting TCS u/s 52, but excluding supplies attracting tax on reverse charge basis, shall be reported. (ii) Supplies made u/s 9(5) for which e-commerce operator is liable to pay tax shall not be reported in this table. (iii) The supplies made by SEZ on cover of a bill of entry shall not be reported by SEZ unit/developer.
2	4B	Supplies made to registered persons, attracting tax on reverse charge basis, shall be reported. supplies made u/s 9(5) for which e-commerce operator is liable to pay tax shall not be reported in this table.
3	5	Inter-State supplies made to unregistered persons having invoice value more than Rs. 2.50 Lakh shall be reported.
4	6A	Exports with or without IGST shall be reported. Shipping bill details, if applicable, can be provided later through table 9 if such details are not available at the time of filing the statement.
5	6B	Supplies made to SEZ units or SEZ developers, with or without IGST, shall be reported.
6	6C	Deemed export supplies shall be reported.
7	7	Supplies made to unregistered persons other than those reported in table 5 shall be reported. Values shall be net of credit and debit notes.
8	8	Supplies having no tax liability (Nil rated, exempted and non-GST supplies) shall be reported. Supplies made through E-commerce Operator under section 9(5) shall not be included under exempted supplies of supplier.
9	9A	Amendment of values reported in table 4A, 4B, 5, 6A, 6B and 6C shall be reported.
10	9B	Credit and debit notes issued during the period shall be reported.
11	9C	Amendment of credit and debit notes reported in table 9B shall be reported.
12	10	Amendment of unregistered supplies reported in table 7 shall be reported.
13	11(I)A	Advances received shall be reported. The values shall be net of refund vouchers, if any.
14	11(I)B	Advances adjusted during the period shall be reported.
15	11(II)	Amendment to advances received or adjusted shall be reported.
16	12	HSN details as per notifications issued by Government from time to time shall be reported.
17	13	Details of the documents issued during the period shall be reported.

18	14(a)	Details of the supplies reported in any table from 4 to 10, made through e-commerce operator on which ECO is liable to collect tax at source (TCS) under section 52, shall be reported by the supplier.
19	14(b)	Details of supplies made through ECO, on which ECO is liable to pay tax u/s 9(5), shall be reported by the supplier. Tax on such supplies shall be paid by the ECO and not by the supplier.
20	14A(a)	Amendment to supplies reported in table 14(a) in earlier tax period shall be reported.
21	14A(b)	Amendment to supplies reported in table 14(b) in earlier tax period shall be reported.
22	15	(i) ECO shall report details of the supplies made through him/her on which he/she is liable to pay tax u/s 9(5). (ii) GSTIN of supplier and recipient, if registered, shall be reported. (iii) Details of the documents issued by ECO shall be reported, if recipient is registered.
23	15A(I)	Amendment to the details reported in table 15 in earlier tax periods in respect of registered recipients shall be reported.
24	15A(II)	Amendment to the details reported in table 15 in earlier tax periods in respect of unregistered recipients shall be reported."

22. In the said rules, in FORM GST RFD-01, in Annexure-1, *after* statement-7, the following statement shall be *inserted*, namely :-

Sl. no.	GSTIN of supplier	Document/Invoice Details				Tax paid				Details of payment of invoice value to the supplier		Details of payment received against cancellation/termination		Refund Amount Claimed (I+C+S+ C)
		Type of document	No.	Date	Taxable Value	Inte-grated Tax (I)	Central Tax (C)	State/UT Tax (S)	Cese	Date	Amount	Date	Amount	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

23. In the said rules, in FORM GST APL-02, in the heading, *after* the word, figures and brackets "rule 108(3)", the word, figures and brackets "and 109 (2)", shall be *inserted*.

24. In the said rules, *after* FORM GST APL-03, the following form shall be *inserted*, namely :-

"FORM GST APL-01/03W

(See rule 109C)

Application for Withdrawal of Appeal Application

1. GSTIN :
2. Name of Business (Legal) [in case appeal is filed under sub-section (1) of section 107] ;
3. Name and designation of the appellant [in case appeal is filed under sub-section (2) of section 107]:

4. Order No. and Date :

5. ARN of the Appeal and Date :

6. Reasons for Withdrawal :

- (i) Acceptance of order of the adjudicating authority;
- (ii) Acceptance of order of a Higher Appellate Authority/Court on similar subject matter;
- (iii) Need to file appeal again after rectification of mistakes/omission in the filed appeal;
- (iv) Amount involved in appeal is less than the monetary limit fixed for Appeal by the board/commissioner;
- (v) Any other reason.

7. Declaration [applicable in case appeal is filed under sub-section (1) of section 107]]:

I/We<Taxpayer Name> hereby solemnly affirm and declare that the information given herein is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Place :

Signature

Date

Name of Applicant/Applicant Officer
Designation/Status."

25. In the said rules, *after* FORM GST DRC-01A, the following form shall be *inserted*, namely :—

"FROM GST DRC-01B

(See rule 88C)

PART-A (System Generated)

Intimation of difference in liability reported in statement of outward supplies and that reported in return

Ref No.:

Date :

GSTIN

Legal Name :

1. It is noticed that the tax payable by you, in accordance with the statement of outward supplies furnished by you in FORM GSTR-1 or using the invoice furnishing facility, exceeds the amount of tax paid by you in accordance with the return furnished in FORM GSTR-3B for the period<from><to> by an amount of Rs. the details thereof are as follows :

Form Type	Liability declared/paid (in Rs.)				
	IGST	CGST	SGST/UTGST	Cess	Total
FORM GSTR-1/IFF					
FORM GSTR-3B					
Difference in liability					

2. In accordance with sub-rule (1) of rule 88C, you are hereby requested to either pay the said differential tax liability, along with interest under section 50, through FORM GST DRC-03 and furnish the detail thereof in Part-B of FORM GST DRC-01B, and/or furnish the reply in Part-B of FORM GST DRC-01B incorporating reasons in respect of that part of the differential tax liability that has remained unpaid, within a period of seven days.

3. It may be noted that where any amount remains unpaid within a period of seven days and where no explanation or reason is furnished by you or where the explanation or reason furnished by you is not found to be acceptable by the proper officer, the said amount shall be recoverable in accordance with the provisions of section 79 of the Act.

4. This is a system generated notice and does not require signature.

PATE-B

Reply by Taxpayer in respect of the intimation of difference in liability

Reference No. of Intimation :

Date :

A. I have paid the amount of the differential tax liability, as specified in **Part A** of **FORM GST DRC-01B**, fully or partially, along with interest under section 50, through **FORM GST DRC-03**, and the details thereof are as below :

ARN of FORM GST DRC-03	Paid Under Head	Tax Period	IGST	CGST	SGST/UTGST	Cess

AND/OR

B. The reasons in respect of that part of the differential tax liability that has remained unpaid, are as under :

Sl. no.	Brief Reasons for Difference	Details (Mandatory)
1	Excess Liability paid in earlier tax periods in FORM GSTR-3B	
2	Some transactions of earlier tax period which could not be declared in the FORM GSTR-1/IFF of the said tax period but in respect of which tax has already been paid in FORM GSTR-3B of the said tax period and which have now been declared in FORM GSTR-1/IFF of the tax period under consideration	
3	FORM GSTR-1/IFF filed with incorrect details and will be amended in next tax period (including typographical errors, wrong tax rates, etc.)	
4	Mistakes in reporting of advances received and adjusted against invoices	
5	Any other reasons	

Verification

I _____ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorised Signatory

Name :

Designation/Status :

Place :

Date :

26. In the said rules, *for* FORM GSTR DRC-03, the following form shall be *substituted*, namely :-

"FORM GST DRC-03

[See rules 142(2) and 142(3)]

Intimation of payment made voluntarily or made against the show cause notice (SCN) or statement or intimation of tax ascertained through FORM GST DRC-01A

1	GSTIN											
2	Name	<Auto>										
3	Cause of payment	<<drop down>>										
3A	Shipping bill details of erroneous IGST refund (to be enabled only if the specified category is chosen in drop down menu)	(i) Shipping Bill/Bill of Export No. and Date : (ii) Amount of IGST paid on export of goods : (iii) Notification No. used for procuring inputs at concessional rate or exemption : (iv) Date of notification : (v) Amount of refund received : (vi) Amount of erroneous refund to be deposited : (vii) Date of credit of refund in Bank Account :										
4	Section under which voluntary payment is made	<<drop down>>										
5	Details of show cause notice, if payment is made within 30 days of its issue, scrutiny, intimation of tax ascertained through FORM GST DRC-01A, audit, inspection or investigation, GST RFD-01, others (specify)	Reference No./ARN					Date of issue/filing					
6	Financial Year											
7	Details of payment made including interest and penalty, if applicable (Amount in Rs.)											
Sl. no.	Tax Period	Act	Place of supply (POS)	Tax/ Cess	Interest	Penalty, if applicable	Fee	Others	Total	ledger utilised (Cash/ Credit)	Debit entry no.	Date of debit entry
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

8. Reasons, if any - <<Text box>>

9. Verification -

I hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorized Signatory

Name

Designation/Status

Date

NOTE :-

1. Payment to be made only in cash for deposit of erroneous refund of unutilised Input Tax Credit (ITC) and for deposit of erroneous refund of Integrated Goods and Services Tax (IGST), obtained in contravention of sub-rule (10) of rule 96.

2. ARN of FROM GST RFD-01 to be mentioned mandatorily if cause of payment is selected as – "deposit of erroneous refund of unutilised ITC".

3. Details of shipping bills to be entered in the same pattern in which the details have been entered in the returns."

27. In the said rules, in FORM GST DRC-25,–

(i) *after* the words, "Revisional authority/", the words and letter, "Adjudicating authority or Appellate authority under Insolvency and Bankruptcy Code/" shall be *inserted*;

(ii) *for* the words, "before desposal of appeal or revision", the words, "before disposal of appeal or revision or any other proceedings" shall be *substituted*;

(iii) *after* the words, "giving effect of appeal/revision", the letters and words, "or any other proceedings" shall be *inserted*.

By order,
NITIN RAMESH GOKARN,
Pramukh Sachiv.

पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 1277 राजपत्र-2023-(2137)-599 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/ऑफसेट)।

पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 39 सा० राज्य कर-2023-(2138)-1000 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/ऑफसेट)।